**29. बन्धकदार द्वारा बन्धक रखी गयी सम्पत्ति के पुरोबन्ध के विकास के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

अबक ........ वादी

बनाम

कखग ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है**

1. यह कि वादी प्रतिवादी के बन्धक पर अधिदाय किया गया मूलधन ........................ रुपये कि लिए ..........
2. ..... से प्रतिवादी होने वालेऔर .............. वादपत्र के पाद भाग पर ब्यौरेवार सम्पत्ति का बन्धकदार है रुपये आज की तारीख तक .......................... प्रतिशत वार्षिक परिनिर्धारित दर पर संचित है।
3. यह कि वादी ने उपर्युक्त बन्धक की तारीख पर बन्धक रखी गयी सम्पत्ति का कब्जा प्राप्त किया और उसी समय से कब्जा धारी बन्धकदार को लेखा देने के लिए तैयार किया जाता है।
4. यह कि वादी ने रजिस्ट्रीकृत नोटिस के माध्यम से उससे प्रतिवादी को देय रकम की मांग की जो तारीख

................. को उसके द्वारा प्राप्त लेकिन उसने जहां तक रकम नहीं दी है।

1. यह कि यह समीचीन है कि बन्धक रखी गयी सम्पत्ति को पुरोबन्ध किया जा सकेगा और वादी बन्धकदार के उपर्युक्त ऋण का समाधान करने के लिए विक्रय किया जा सकेगा।
2. यह कि वाद हेतुक तारीख............. को पैदा हुआ प्रतिवादी ने वादी से मांग की नोटिस प्राप्त किया, और इस न्यायालय के पास मामले का विनिश्चय करने की अधिकारिता है।

दावाकृत अनुतोष

वादी बन्धक रखी गयी और विक्रय की गयी सम्पत्ति के पुरोबन्ध एवं विक्रय का दावा करता है और उपर्युक्त रकम के संदाय द्वारा बन्धक ऋण का समाधान करता है या जिसे संदेय पाया जा सकेगा और शेष रहने वाली रकम प्रतिवादी को वापस किया जा सकेगा यदि कोई ऐसी रकम बन्धक ऋण का समाधान करने के पश्चात् शेष रहती है।

 वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी